ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता
ओ राधे ओ राधे थोडा सा माखन चखा

मटकी तू काहे फोड़े है बहियाँ मरोड़े है ओ कान्हा
काहे तू मोहे सताता है मोहे रुलाता है ओ कान्हा
छोड़ेगे ना तुझको राधे पेहले माखन चखा
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

दहिया को बेचने जब रस्ते पे आऊ,
रस्ते पे ग्वालो संग तोहे बैठा पाऊ,
जाने दूंगा तुझको टैक्स पेहले मेरा चूका
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

बेदर्दी सखियों के चीर को चुराए,
चोरी से चुपके से माखन तू खाए
देदे राधे देदे राधे मटकी मोह से न छुपा
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

मैया से बाबा से शिकयात मैं लगाऊ
यशोमत मैया से तोहे मैं पित्वाऊ
चन्दन देदे नोत्न फिर पीछे तू पिटवा,

ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

Source: https://www.bharattemples.com/oh-kanha-o-kanha-naa-mujhko-itna-sta/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw